महेशाश्रम उदयपुर

अनचाहे नवजात शिशु का सुरक्षित भविष्य

हमारी प्रार्थना है कि . . .

- किसी भी अनचाहे नवजात शिशु को नदी, कुएं, तालाब, कचरा पात्र आदि में न फेंकें, बल्कि महेशाश्रम के द्वार पर स्थापित 'पालना स्थल' के पालने में छोड़ जावें।
- पालने में छोड़ते ही दो मिनिट बाद घंटी बजेगी, इस बीच लाने वाला सुरक्षित रूप से जा सकेगा व घंटी बजने के बाद आश्रम के साधक नवजात को स्नेह व सम्मानपूर्वक अपने संरक्षण में ले लेंगें।
- निश्चिंत रहें – नवजात शिशु को पालने में छोड़ने वाले की हम कोई पहचान सुरक्षित नहीं रखते, पूर्ण गोपनीयता रखी जाती है और नवजात का पवित्र ईश्वरीय स्वरूप में आत्मीय भावनाओं के साथ लालन-पालन किया जाता है।
- यदि किसी सज्जन को अपने आस-पास असुरक्षित नवजात शिशु मिले तो कृपया उसे आश्रम तक पहुंचाने का कष्ट करें। यदि असुविधा हो तो आश्रम के दिये हुए फोन नम्बर पर सूचित करने की कृपा करें, आपका यह जीवनदायी प्रयास हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, इसके लिये आपको किसी भी प्रकार की कोई कानूनी कार्यवाही नहीं करनी होगी, बल्कि नियमानुसार पूर्ण गोपनीयता रखी जावेगी।
- 'महेशाश्रम' द्वारा अब तक कई नवजात शिशुओं को संरक्षण में लेकर सुरक्षित स्वस्थ्य जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य के सफल प्रयास किये गये हैं, आगे भी आपका सहयोग एवं आत्मीय भावनाएं हमें सफलता देगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है।

माँ चाहिए

बहन चाहिए

पत्नी चाहिए

फिर बेटी क्यों नहीं चाहिए